वागड़ संदेश

wagadsandesh.com

Tital Code : RAJHIN27802

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-77 सागवाड़ा, सोमवार, 15 नवम्बर, 2021 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

राजस्थान में मावठ के आसार, तेज होगी सर्दी

जयपुर। राजस्थान में सर्दियों के सीजन की पहली मावठ 17 से 19 नवंबर के बीच हो सकती है। बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर एरिया और वहां से चली पूर्वी हवा के कारण राजस्थान के पूर्वी हिस्से में इसका असर देखने को मिलेगा। इसके चलते उदयपुर, कोटा, अजमेर और जयपुर संभाग के जिलों में बादल छाने के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। जयपुर मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी 48 घंटों में प्रदेश का मौसम सामान्य रहेगा। 17 सितम्बर से पूर्वी राजस्थान के कोटा और उदयपुर संभाग में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कोटा, बारां, झालावाड़, बूंदी, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले में बादल छाने के साथ हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। 18 और 19 नवंबर को मौसम का ये असर उदयपुर और कोटा संभाग के साथ-साथ जयपुर और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में देखने को मिल सकता है। निदेशक ने बताया कि 18 व 19 नवंबर को जयपुर, दौसा, अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर बेल्ट में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। साथ ही, पूरे दिन बादल भी छाए रह सकते हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ ने किया प्रदर्शन

डूंगरपुर। जिले के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका,आशा सहयोगिनी व साथिनो की मांगो को लेकर आज कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देते हुए प्रदर्शन किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी जैन के नेतृत्व में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका,आशा सहयोगिनी व साथिन कलेक्ट्रेट के बाहर एकत्रित हुई और राज्यकर्मचारी घोषित करने सहित अन्य मांगो को लेकर धरना दिया। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी जैन ने बताया की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,सहायिका,आशा सहयोगिनी व साथिन कम मानदेय में कई राजकीय कार्य करती आ रही है। उन्होंने कहा की वे लम्बे समय से राज्य कर्मचारी घोषित किये जाने की मांग व मानदेय बढाने की मांग कर रहे है। लेकिन सरकार की ओर से कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इधर धरना-प्रदर्शन के बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ ने एडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में संघ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका,आशा सहयोगिनी व साथिनो को राज्य कर्मचारी घोषित करने वही राज्य कर्मचारी घोषित नहीं करने तक मानदेय 18 से 20 हजार रुपए करने की मांग सरकार से की है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

पोक्सो कोर्ट- एक दोषी पर एक लाख 15 हजार व दूसरे दोषी पर एक लाख 5 हजार का जुर्माना

डूंगरपुर। जिले की पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वही एक दोषी पर एक लाख 15 हजार व दूसरे दोषी पर एक लाख 5 हजार का जुर्माना लगाया है। विशिष्ठ लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया की 2 जुलाई 2018 को धम्बोला थाने में नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। जिसमें पीडिता के पिता ने बताया था की गुजरात निवासी भरत व जयेश उसकी नाबालिग बेटी का अपहरण कर गुजरात ले गए वहा पर भरत ने अपनी बहिन के घर पर पीडिता का रखा जहा पर भरत के जीजा जयेश ने नाबालिग के साथ 15 दिनों तक दुष्कर्म किया वही इसके बाद भरत पीडिता को अपने साथ ले गया जहा भरत ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया था।

मामले में अनुसन्धान करते हुए पुलिस ने गुजरात निवासी भरत व जयेश को गिरफ्तार किया था और पोक्सो कोर्ट में चालान पेश किया था। इसी मामले में पोक्सो कोर्ट ने आज अंतिम सुनवाई करते हुए दोनों आरोपियों को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए आजीवान कारावास की सजा सुनाई।

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद व सर्व समाज के लोग शामिल हुए, वाहन रैली निकाली

बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया

डूंगरपुर। जिले में आज विभिन्न संगठनों की ओर से बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। जिसके तहत जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय पर राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद व सर्व समाज के लोगो ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर शहर के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स से विशाल वाहन रैली निकाली गई। रैली को स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स से सन्त सुरमाल दास धाम से विक्रमदास जी महाराज ने केसरिया पताका दिखाकर रवाना किया। रैली स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स से रवाना होकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए पुन: स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में सम्पन्न हुई। जिसके बाद स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आम सभा का आयोजन हुआ। आम सभा में वक्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन, आजादी में उनके योगदान, जल, जमीन और जंगल की रक्षा के साथ अपने धर्म व संस्कृति को बचाने के लिए किये गए संघर्षपर अपने विचार प्रकट किये। वही सभी ने आमजन से बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा अपने व्यवहारिक जीवन में अपनाने का आव्हान किया।

सांसद कनकमल कटारा ने ढोल बजाकर उत्साह बढ़ाया, वाहन रैली निकाली

सागवाड़ा। वनवासी कल्याण परिषद की ओर से राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के तहत भगवान बिरसा मुंड़ा की जयन्ती सोमवार को मनाई। महिपाल खेल मैदान में बिरसा मुंड़ा जयन्ती पर धर्म जागरण के प्रान्त सह संयोजक प्रभुलाल कटारा ने आदिवासी समाज का इतिहास तथा कबरसा मुंड़ा की जीवनी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए राष्ट्र, निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। राम कथा मर्मज्ञ कमलेश भाई शास्त्री ने संबोधित किया। अध्यक्षता पूर्व मुख्य जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक मणीलाल छगण ने की। विशिष्ठ अतिथि खंड संघचालक रतनलाल रोत, नगर संघचालक उमाकान्त व्यास, सामाजिक कार्यकर्ता नानु मकवाना, बारह फलों के अध्यक्ष मोहनलाल भगोरा, बंदिया बड़ली बेड़सा के संत ताजु महाराज मौजूद थे। सभा से पूर्व विद्यानिकेतन माधव परिसर से वाहन रैली निकाली। वाहन रैली शहर के विभिन्न मार्ग से होकर महिपाल खेल मैदान पहुंची। सांसद कनकमल कटारा ने ढोल बजाकर गेरियों का उत्साह बढ़ाया। प्रधान ईश्वरलाल सरपोटा, जयप्रकाश पारगी, हिमत कटारा, पूर्व प्रधान शंकरलाल डेचा, रेखा रोत, राजेश कटारा, हरीश सोमपुरा, मंगलेश वाड़ेल, वासुदेव बरजोड़ मौजूद रहे। एकलव्य भील सेवा संस्थान की ओर से वाल्मिक ऋषि मंदिर परिसर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई। कोषाध्यक्ष प्रकाश अहारी ने बताया कि बिरसा मुंडा की जन्म जयंती हर्षोल्लास से मनाई। वक्ताओं ने भगवान मुंडा के जीवन परिचय के साथ उनके पद चिह्नों पर चलने की बात कही। इस दौरान समाज के अध्यक्ष मोहन भगोरा, रमेश खांट व निशान्त डेण्डोर मौजूद थे।

राजस्थान में तीन महीने बढ़कर आएगा बिजली बिल

जनवरी से मार्च तक के यूनिट पर लगेगा 33 पैसा फ्यूल सरचार्ज, अगले 3 महीने में होगी वसूली

जयपुर। प्रदेश के उपभोक्ताओं का अगले तीन महीने तक बिजली का बिल बढ़कर आएगा। तीनों डिस्कॉम जयपुर, जोधपुर और अजमेर ने 33 पैसे यूनिट के हिसाब से बिजली उपभोक्ताओं पर फ्यूल सरचार्ज लगा दिया है। यह फ्यूल सरचार्ज अप्रैल 2021 से जून 2021 के लिए 33 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से लगाया गया है। इसकी रिकवरी जनवरी, फरवरी और मार्च 2021 के बिजली बिलों की रीडिंग के आधार पर होगी। खास बात यह है कि यह फ्यूल सरचार्ज सभी कैटेगरी के उपभोक्ताओं पर रहेगा। डिस्कॉम पहले बकाया सरचार्ज की अगले 3 महीने तक वसूली करेगी। यह हर महीने बिल में जुड़कर आएगा।यदि किसी उपभोक्ता के 1 महीने का बिजली बिल 350 यूनिट आता है, तो आगामी बिल में 3 महीने तक कन्ज्यूम हुई बिजली पर फ्यूल सरचार्ज देना होगा। यह सरचार्ज जनवरी, फरवरी और मार्च 2021 में खर्च हुई यूनिट पर 33 पैसे प्रति यूनिट लगेगा। ऐसे में सामान्य तौर पर इन तीन महीने का फ्यूल सरचार्ज 346.50 रुपए होगा। इससे ज्यादा यूनिट खर्च होने पर उसी अनुपात में यह सरचार्ज जुड़ता जाएगा। डिस्कॉम यह चार्ज उपभोक्ता से अगले तीन महीने तक इंस्टॉलमेंट में वसूल करेगा।

खड़गदा में सामुहिक गंगोद्यापन, कलशयात्रा निकली

खड़गदा में सहस्त्र औदिच्य ब्राह्मण समाज का आयोजन

खड़गदा। सहस्त्र टोलकिया औदिच्य ब्राह्मण समाज खड़गदा का सामुहिक यज्ञोपवित, एकादशी एवं गंगोद्यापन कार्यक्रम के तहत सोमवार को कलशयात्रा निकली। समाज के नोहरे में सुबह वैदी पूजन के बाद धूमधाम से कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा लक्ष्मी नारायण मंदिर से होली चौक, भगवती माता मंदिर, नवरात्रि चौक से होते हुए ग्वाल चौक पहुंची। जहग जगह गरबा खेले गए। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। यहां से गंगाजल कलशयात्रा बस स्टैंड से मोरन नदी के तट पर पहुंची जहां पवित्र जल का पूजन किया गया। कलशयात्रा में पुष्प वर्षा की गई। कलशों में पवित्र जलभर कर इसका समापन किया गया। गंगाजल कलश यात्रा, पुर्णाहुति एवं महाआरति, स्नेहभोज के कार्यक्रम औदिच्च समाज नोहरा खड़गदा में हुआ। समापन कार्यक्रम में बेणेश्वर धाम के महंत अच्युतानंद महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में नगरपालिका सागवाड़ा के अध्यक्ष नरेंद्र खोडनिया,भरतभट्ट, पालिका उपाध्यक्ष राजुमामा शेख, बंधु पाठक मौजूद रहे।

समाज के अध्यक्ष नीरज जोशी ने सभी का आभार जताया।

जो कहते हैं 70 साल में कुछ नहीं हुआ, उन्हें पता नहीं हमारे अंग्रेजी स्कूलों में दाखिले भी लॉटरी से हो रहे: गहलोत

राजसमंद/नाथद्वारा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विपक्षी भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि 70 साल में क्या किया, उन्हें राज्य के अंग्रेजी माध्यम के सरकारी स्कूलों को देखना चाहिए, जहां अब दाखिलों के लिए भी लॉटरी निकलती है। प्रवेश लेने के लिए लाइन लगी रहती है, कई निजी स्कूल बंद हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने सोमवार दोपहर राजसमंद जिले के नाथद्वारा विधानसभा क्षेत्र के गुड़ला में भामाशाह द्वारा बनवाए स्कूल भवन के उद्घाटन समारोह में कहा कि पहले वकालात करने इलाहाबाद, बंगाल, नागपुर जाना पड़ता था, आज राज्य में जहां देखो कॉलेज, यूनिवर्सिटी, स्कूल, आईआईटी, एम्स, आईआईएम जैसे संस्थान नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि हमने राजस्थान में शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर पूरे देश में बेहतर बनाया। राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य

है, जहां हर व्यक्ति पांच लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज निजी अस्पतालों तक में करा सकता है। मुख्यमंत्री ने राज्य में भामाशाहों के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि पैसा बहुत लोग कमाते हैं, लेकिन खर्च बहुत कम करते हैं। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, लागू करती हैं। जब समाजसेवी आगे आते हैं तो इनमें चार चांद लग जाते हैं। सीएम गहलोत ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में दूसरे राज्यों में ऑक्सीजन की कमी आई, बदनामी भी हुई। हमारे राज्य में मेडिकल स्टॉफ हो या सामाजिक संगठन, हरेक ने अच्छा काम किया। पूरे राज्य में लोगों ने इतना सहयोग दिया कि किसी पड़ोसी या गरीब को भूखा नहीं सोने दिया। राजस्थान हमेशा से इस जज्बे से काम करता रहा है। आजादी के वक्त देश के क्या हालात थे, ये आज के बड़े-बुजुर्ग जानते हैं। पानी, बिजली, सड़क, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल कुछ नहीं था।

आधुनिक भारत, आधुनिक राजस्थान और आधुनिक राजसमंद में जो कुछ दिख रहा है, वह सब 70 सालों में हुआ है। उद्घाटन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, शिक्षा मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा, सहकारिता एवं प्रभारी मंत्री उदयलाल आंजना भी मौजूद थे। इससे पहले सुबह 11 बजे हेलीकॉप्टर से नाथद्वारा पहुंचे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रभु श्रीनाथजी की राजभोग झांकी के दर्शन किए। इसके बाद दोपहर 12ः10 बजे वे गुड़ला पहुंचे।